

DR. MOHAMMED ABDUL WAHEED

Dr. Mohammed Abdul Waheed is a leading researcher in Unani system of medicine. Dr. Waheed has served as head of the Central Research Institute of Unani Medicine, Hyderabad under the aegis of Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of AYUSH, Government of India. Presently, he is the Chairman of the Scientific Advisory Committee of CCRUM, Chairman of Unani Pharmacopoeia Committee and member of Governing Body, CCRUM and also member of various task force committees of Ministry of AYUSH. Dr. Waheed is widely recognized across the globe for his outstanding contribution for the research and treatment of Vitiligo.

2. Born on February 22, 1955, Dr. Waheed received his Bachelor of Unani Medicine and Surgery degree from Osmania University, Hyderabad in the year 1978. He acquired clinical research training from University of Los Angeles California, AIIMS, New Delhi and KEM Medical College, Mumbai.

3. Dr. Waheed has expertise in Phase-II and Phase-III clinical trials on Unani medicine as per WHO/USFDA and GCP guidelines. He was coordinating multi-centric clinical trials of Unani medicines on Diabetes, Hypertension, Vitiligo and Hepatitis with seven Institutions under CCRUM located across the nation viz. CRI-Hyderabad, RRI-Chennai, RRI-Mumbai, RRI-Aligarh, RRI-New Delhi, CRI-Lucknow and RRI-Srinagar. Dr. Waheed played a pivotal role as Principal Investigator for the establishment of state of the art facility for preclinical, clinical and molecular research with support from CCRUM and Department of Science and Technology, New Delhi.

4. As a clinician, Dr. Waheed has significantly contributed in the field of vitiligo. He has developed about 17 Unani formulations for the effective management of vitiligo and extended consultation to over 2 lakh Vitiligo patients. He is a strong advocator of integrated approach for the management of stubborn diseases and developed the integrated treatment approach for vitiligo and other chronic disorders.

5. Dr. Waheed has published 33 research papers in National/International journals and presented more than 64 papers in National/International conferences. He has delivered more than 133 lectures at various scientific platforms. He has published monographs on Vitiligo and has written monographs on Hepatitis, and Sinusitis. He has also written four drug dossiers on Vitiligo. He has significantly contributed towards seeking IPR of five formulations through CCRUM. He is associated with various scientific associations such as Indian Society of Analytical Scientist and Biomarker Society of India. He guided graduate and post graduate students from different disciplines of Unani, Pharmacy, Biochemistry and Genetics. He was coordinating collaborative research programmes with various institutions such as ICMR-NIN Hyderabad, CSIR-IIIM Jammu and NIPER Hyderabad. He has widely travelled over the world to promote Unani System of Medicine globally. Recently, he visited San Diego, USA as Mission member to India Pavilion at BIO 2014. Dr. Waheed extensively promoted and implemented widespread use of Hindi at CRIUM Hyderabad as an Official Language.

6. Dr. Waheed is the recipient of numerous awards and honours. He has been conferred outstanding contribution award by the CCRUM, prestigious Best Scientist Award conferred by AIIMS in the year 2014, Best Scientist Award for overall best performance by Dept. of AYUSH (2005). He also shared the Rolling Shield for best performance in Clinical Research of CCRUM in 1985, 1995 and received best research paper awards. He is the recipient of first Hakeem Ajmal Khan Global Award, Hakim Ahmed Ashraf global award.



डॉ. मोहम्मद अब्दुल वहीद

डॉ. मोहम्मद अब्दुल वहीद यूनानी चिकित्सा पद्धति के अग्रणी अनुसंधानकर्ता हैं। आपने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के यूनानी चिकित्सा–शास्त्र की केन्द्रीय अनुसंधान परिषद के संरक्षण के अधीन केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा-शास्त्र अनुसंधान संस्थान के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। वर्तमान समय में आप सीसीआरयूएम की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष, यूनानी औषध-कोष समिति के अध्यक्ष और सीसीआरयूएम के शासी निकाय के सदस्य और आयुष मंत्रालय की विभिन्न कार्य बल समितियों के भी सदस्य हैं। आपको सफेद दाग के अनुसंधान और उपचार में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु पूरे विश्व में जाना जाता है।

2. आपका जन्म 22 फरवरी, 1955 को हुआ और 1978 में आपने ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से यूनानी चिकित्सा और शल्य-चिकित्सा स्नातक की उपाधि प्राप्त की। आपने लॉस एंजलिस विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया, एम्स नई दिल्ली और के.ई.एम.मेडिकल कॉलेज से नैदानिक अनुसंधान प्रशिक्षण ग्रहण किया।

3. आपको डब्ल्यू एच ओ/यूएसएफडीए और जीसीपी दिशा-निर्देशों के अनुसार, यूनानी चिकित्सा शास्त्र के चरण-I। और चरण-II। नैदानिक परीक्षण में महारथ हासिल है। आपने सी सी आर एम यू के अधीन भारत में स्थित सात संस्थाओं अर्थात् सीआरआई-हैदराबाद, आर आर आई-चेन्नई, आर आर आई-मुंबई, आर आर आई-अलीगढ़, आर आर आई-नई दिल्ली, सी आर आई-लखनऊ और आर आर आई-श्रीनगर के साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सफेद दाग और हेपेटाइटिस के बारे में बहु-केंद्रिक नैदानिक परीक्षणों का समन्वय किया था। आपने सीसीआरयूएम और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के सहयोग से प्रिक्लिनिकल, क्लिनिकल और मोलिकूलर रिसर्च हेतु उच्चस्तरीय सुविधा-केन्द्र की स्थापना हेतु प्रधान अन्वेषक के रूप में निर्णायक भूमिका निभायी है।

4. चिकित्सक के तौर पर आपने सफेद दाग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सफेद दाग के प्रभावकारी समाधान हेतु आपने लगभग 17 यूनानी फॉरमुलेशन विकसित किए हैं और 2 लाख से अधिक सफेद दाग के मरीजों को चिकित्सा परामर्श दिया है। आप जटिल रोगों के समाधान के लिए एक-समान दृष्टिकोण के प्रबल समर्थक हैं और आपने सफेद दाग और अन्य पुराने विकारों हेतु एक-समान उपचार पद्धति विकसित की है।

5. आपने राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं हेतु 33 अनुसंधान दस्तावेज प्रकाशित किये हैं और राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 64 से अधिक दस्तावेज प्रस्तुत किये हैं। आपने विभिन्न वैज्ञानिक मंचों पर 133 से अधिक व्याख्यान दिए हैं। आपने सफेद दाग, हेपेटाइटिस और साइनूसिटिस विनिबंध प्रकाशित किये हैं। आपने सफेद दाग के बारे में चार औषध फाइलें लिखी हैं। आपने सीसीआरयूएम के माध्यम से पांच फारमूलेशन की आईपीआर प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आप इंडियन सोसायटी ऑफ एनालिटिकल साइंटिस्ट और बायोमार्कर सोसायटी ऑफ इंडिया जैसी विभिन्न वैज्ञानिक एसोसिएशन से जुड़े हुए हैं। आपने यूनानी, फार्मेसी, जैव-रसायन और आनुवंशिक विज्ञान की विभिन्न विधाओं के स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया है। आपने विभिन्न संस्थाओं जैसे आईसीएमआर-एनआईएन हैदराबाद, सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू और एनआईपीईआर हैदराबाद के साथ सम्मिलित अनुसंधान कार्यक्रमों का समन्वय किया था। विश्व में यूनानी चिकित्सा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए आपने सारे विश्व की व्यापक यात्रा की है। हाल ही में, आपने बी आई ओ 2014 में भारतीय पैविलियन के मिशन सदस्य के तौर पर सान डियगो, अमेरिका की यात्रा की। आपने सीआरआईयूएम हैदराबाद में हिन्दी को राजभाषा के रूप में व्यापक रूप से बढ़ावा दिया और कार्यान्वित किया।

6. आपको बहुत से अवार्ड और सम्मान प्राप्त हैं। आपको सीसीआरयूएम द्वारा उत्कृष्ट योगदान अवार्ड, 2014 में एम्स द्वारा प्रतिष्ठित सर्वोत्तम वैज्ञानिक अवार्ड, आयुष विभाग द्वारा सब मिलाकर सर्वोत्तम कार्य हेतु सर्वोत्तम वैज्ञानिक अवार्ड (2005) दिया गया है। आपने 1985, 1995 में सीसीआरयूएम के नैदानिक अनुसंधान के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य के लिए रोलिंग शील्ड भी साझा की। आपको प्रथम हकीम अजमल खान ग्लोबल अवार्ड, हकीम अहमद अशरफ ग्लोबल अवार्ड भी प्राप्त हुए हैं।